



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं. 576]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर, 1, 1989/कात्तिका 10, 1911

[No. 576]

NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 1, 1989/KARTIKA 10, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विद्या भवालय

(राजस्व विभाग)

शधिसूचना

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1989

मं. 51/89-केन्द्रीय उ. शुल्क (एन.टी.)

मा.का.नि. 946(अ) ---केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि गोमी प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय उम्माद-शुल्क और नमक शधिनियम, 1944 (1944 का 1) की आरा 3 के अधीन केन्द्रीय उत्ताद शुल्क के उद्योहण की वाजत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्योहण न किया जाता था है) साधारणतया प्रबलित थी,

उत्पाद-गुलक, केन्द्रीय उत्पाद-गुलक टैरिक अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपर्योग से 3003.10 के अन्वयं आने वाले पेटेन्ट या सांचानिक शोषण-द्रव्य के नमूना पर (जिन्हे हमरे इसके पश्चात् उपर साल कहा गया है) । मार्च, 1988 को प्रारंभ होने वाली और 2 मई, 1989 को समाप्त होने वाली कालावधि के द्वारा भारत सरकार के विस संवालय (राजस्व और बोगा विभाग) की अधिसूचना सं 171/70-केन्द्रीय उत्पाद-गुलक नारीख 21 नवम्बर, 1970 के प्राप्त परिण उक्त धारा 3 के अधीन उद्घोषित नहीं किया जा रहा था;

प्रीर उत्पाद-गुलक विभाग उत्पाद-गुलक भी प्रौद्योगिक कालावधि के द्वारा विस अधिनियम, 1988 (1985 का 26) की अधीन अंक 2 की उपर्योग (1) के अधीन उद्घोषित नहीं किया जा रहा था,

अतः उत्पाद-गुलक विभाग प्रथम अधिनियम की धारा 11 ग द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देता है कि उक्त भावन पर, उक्त प्रथा के न होने पर, भारत सरकार के विस संवालय (राजस्व और बोगा विभाग) भी अधिसूचना सं 171/70-केन्द्रीय उत्पाद-गुलक नारीख 21 नवम्बर, 1970 के माने परिस प्रथम वर्णित अधिनियम के अधीन या उक्त विस अधिनियम के अधीन भैय भूमूल उत्पाद-गुलक और विशेष उत्पाद-गुलक उम उक्त माल की शाखा में लिया जाना अनोखा नहीं होगा, जिस पर उक्त उत्पाद-गुलक या विशेष उत्पाद-गुलक उक्त प्रथा के अनुसार प्रौद्योगिक कालावधि के द्वारा अद्यतीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. 102/1/89-के.उ शुल्क 3]

दस. बी. शी. राव, अव० संविध

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st November, 1989

No. 51/89—CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 946 (E):—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on samples of patent or proprietary medicaments (hereinafter referred to as the said goods), falling under sub-heading no. 3003.10 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), was not being levied under the said section 3 read with the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 171/70—Central Excises, dated the 21st November, 1970, during the period commencing on the 1st day of March, 1988 and ending with the 2nd day of May, 1988;

And whereas the special duty of excise on the said goods was also not being levied under sub-section (1) of section 82 of the Finance Act, 1988 (26 of 1988), during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the first-mentioned Act read with the notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 171/70-Central Excises dated the 21st November, 1970, or under the said Finance Act, on the said goods, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of the said goods, on which the said duty of excise or the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F.No.102/1/89-CX.3]
M.V.B. RAO, Under Secy.

